A–0612

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MAJY-506

MA Jyotish (MAJY)

सिद्धान्त ज्योतिष एवं काल विवेचन-02

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. काल गणना में ब्रह्म मान का विस्तृत विवेचन कीजिए।

2. सम्वत्सरों का विवेचन करते हुए बार्हस्पत्यमान का वर्णन कीजिए।

3. चन्द्र के वर्षादि मानों का विवेचन करते हुए इसके स्वरूप का वर्णन कीजिए।

4. मनुष्यों की अहोरात्र प्रक्रिया का विस्तृत वर्णन कीजिए।

5. अधिमास के कारण एवं महत्व पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अहर्गण साधन कीजिए।

2. क्षेत्र प्रदर्शन पूर्वक मन्दकेन्द्र एवं शीघ्रकेन्द्र को परिभाषित कीजिए।

3. साधन पूर्वक शीघ्रकर्ण के महत्व को बताइए।

4. देशान्तर से क्या तात्पर्य है ? इसके अनुप्रयोग का वर्णन कीजिए।

5. चर का आशय स्पष्ट करते हुए चरान्तर का विवेचन कीजिए।

6. ध्रुवप्रोतवृत्त से आप क्या समझते हैं ? विषुवांश, भुजांश एवं क्रान्ति के स्वरूपों का वर्णन कीजिए।

7. मन्दस्पष्ट ग्रह से आप क्या समझते हैं ? इसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

8. सूर्य एवं चन्द्र के स्पष्टीकरण में शीघ्र फल का प्रयोग न करने के कारणों का उल्लेख कीजिए।

****